6037(E)
31/8/2026

पथ निर्माण विभाग

दिनांक 31/8/2026 को सम्पन्न परिवाद समिति की बैठक की कार्यवाही।

पटना सिटी पथ प्रमंडल, पटना अन्तर्गत पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under OPRMC-III Package No.-42B/Patna City for the year 2026-33 कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में प्राप्त परिवाद पर विभागीय पत्रांक–2217(E) दिनांक–01.04.2026, पत्रांक–2360(E) दिनांक–09.04.2026 एवं पत्रांक–5625(E) दिनांक–17.08.2026 द्वारा गठित समिति की बैठक की कार्यवाही।

उपस्थितिः

(i) श्री उमा कान्त रजक, अभियंता प्रमुख–सह–अपर आयुक्त–सह–विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

(ii) श्री अभिषेक पलासिया, संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

(iii) श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

(iv) श्री राजकुमार, मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

2. दिनांक–13.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही, जो उपभागीय ज्ञापांक–2683 दिनांक–13.08.2026 द्वारा संसूचित है, में लिये गये निर्णय के विरूद्ध प्राप्त परिवाद पर मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक–2835(अनु०) दिनांक–22.08.2026 के माध्यम से परिवाद पर दिनांक–22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही एवं अनुशंसा के आधार पर विवरणी निम्नवत् है :–

2.1	कार्य का नाम एवं पैकेज संख्या	:	पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under OPRMC-III Package No.-42B/Patna City for the year 2026-33
2.2	योजना मद	:	3054
2.3	निविदा आमंत्रित करने वाले प्रमंडल का नाम	:	पथ प्रमंडल, पटना सिटी, पटना।
2.4	प्रशासनिक स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग	:	13978.84 लाख। विभागीय ज्ञापांक–3247(एस०) दिनांक–12.05.2026
2.5	तकनीकी स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग	:	16177.77 लाख। मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का पत्रांक–1698 (अनु०),दिनांक–23.05.2026
2.6	ECV/परिमाण विपत्र की राशि	:	13810.71416 लाख।
2.7	कार्य समाप्ति की अवधि	:	84 (Eighty-four) Months.
2.8	निविदा की प्रक्रिया	:	ई–टेंडरिंग (MBD)
2.9	निविदा प्राप्ति की तिथि	:	03.07.2026
2.10	प्राप्त निविदा क्या पुनर्निविदा है यदि हाँ तो कारण	:	पुनर्निविदा नहीं है।

3. विषयांकित निविदा में निम्नलिखित 03 (तीन) संवेदकों द्वारा भाग लिया गया :–

(1) M/s Veena Singh (2) M/s Palak Infra Pvt. Ltd.
(3) Brajendra Kumar Singh

4. दिनांक–13.08.2026 को तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा 03 (तीन) निविदाकारों में से 01 (एक) निविदाकार यथा–(1) M/s Veena Singh को MBD के Section-4 एवं NIT के कंडिका क्रमांक 29 के तहत निविदा की सभी वांछित न्यूनतम अहर्त्ता पूर्ण नहीं करने के कारण तकनीकी बीड में असफल तथा शेष 02 (दो) निविदाकार–(1) M/s Palak Infra Pvt. Ltd एवं (2) Brajendra Kumar Singh को तकनीकी बीड में सफल घोषित करने का निर्णय लिया गया था।

5. उपभागीय ज्ञापांक–2683 दिनांक–13.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक–13.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की निर्णय के विरूद्ध विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s Veena Singh का पत्रांक–शून्य, दिनांक–17.08.2026, द्वारा परिवाद/अभ्यावेदन/आपत्ति समर्पित किये जाने के परिप्रेक्ष्य में मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक–2835(अनु०) दिनांक–22.08.2026 द्वारा परिवाद पर दिनांक–22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही एवं अनुशंसा समर्पित की गई है।

6. **परिवादः**– उपरोक्त तकनीकी बीड में असफल निविदाकार M/s Veena Singh का पत्रांक–शून्य, दिनांक–17.08.2026 द्वारा विषयांकित कार्य के तकनीकी बीड मूल्यांकन पर परिवाद प्राप्त हुआ है, जो निम्नवत् है :–

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
1.	**M/S Veena Singh**	उपर्युक्त विषय एवं प्रासंगिक पत्र के संबंध में निवेदनपूर्वक कहना है कि विषयांकित कार्य के निविदा में मेरे द्वारा भाग लिया गया है एवं प्रासंगिक पत्र द्वारा दिनांक–13.08.2026 को तकनीकी बीड मुल्यांकन समिति द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में Existing Commitment का क्रम सं0–4 अंकित कार्य से संबंधित Enginner-in-charge के द्वारा Countersigned नहीं है, Power of Attorney Rs. 1000.00 का Stamp paper पर अपलोड नहीं करने के कारण न्यूनतम अर्हत्ता पूर्ण नहीं रहने के कारण तकनीकी बीड में असफल घोषित करने का निर्णय लिया गया है।	निविदाकार M/s Veena Singh के द्वारा निविदा के साथ Upload किये गये Existing Commitment के Sl. No. 04 पर अंकित कार्य "Widening and Strengthening Dhamdaha to Banmankhi Road from 0.00 to 21.50 Km. for the year 2024-25 को Engineer in Charge के द्वारा Countersigned Copy Upload नहीं किया गया है, जबकि NIT की कंडिका–39 में स्पश्ट रूप से अंकित किया गया है कि "All Bidder have to	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत।

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		इस संदर्भ में सादर अनुरोधपूर्वक भवदीय को अवगत कराना चाहेंगे कि मेरे द्वारा MBD के Section 1.2.3 Section 4E.10, Fin-4 में मेरे फर्म में जितना Existing Commitments ongoing work से संबंधित कार्य था उसका विवरणी (कुल 17 कार्य) निविदा के साथ अपलोड किया गया है, जिसमें क्रम संख्या–8, 12,14 एवं 16 पर एक–एक कार्य का नाम दोबारा टंकित हो गया है यानि मेरे द्वारा निविदा के साथ Existing Commitment से संबंधित कुल कार्य 13 अद्द है, जिसका सत्यापन भी संबंधित कार्य प्रमंडल से करा लिया गया है एवं सत्यापित प्रति कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल खगड़िया द्वारा समर्पित की जा चुकि है। उक्त के आलोक में भवदीय से सादर अनुरोध है कि विभागीय पत्रांक–6158 (एस0), दिनांक–09.07. 2014 में MBD आधारित निविदा के तकनीकी बीड के निष्पादन हेतु Eligibility criteria के संबंध में निदेश कंडिका–5.2 द्वितीय प्रक्रम के तहत इन बिन्दुओं पर निविदाकार से Clarification & Modification का अवसर दिया जायेगा एवं इस क्रम में उन्हीं कागजातों/अभिलेखों को मान्यता दी जायेगी जो निविदा की प्राप्ति के तिथि के पूर्व के होंगे। साथ ही पथ निर्माण विभाग के आदेश के ज्ञापांक–मु.अ. (अनु.) विविध–03–/2006 5196 (S) पटना, दिनांक–22.05.2009 में उल्लेखित है कि किसी	Submit their existing commitment of ongoing works duly issued by Engineer in Charge along with all bidding documents. Otherwise bid shall be considered/declared as non-responsive and invalid." अतः परिवाद के इस बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		भी संवेदक की Bid Capacity का मूल्यांकन करने से पूर्व अनुश्रवण कोषांग से उस संवेदक के पास तीनों उपभाग में लंबित/आवंटित कार्यों का ब्यौरा प्राप्त कर लेंगे एवं तनुसार ही Technical Bid पर निर्णय लेंगे। इस प्रकार मेरे द्वारा Existing Commitments से संबंधित केवल क्रम संख्या–04 में उल्लेखित कार्य को छोड़ कर बाकी शेष वांछित कागजातों का Engineer-in-charge द्वारा निर्गत अभिलेख निविदा के साथ अपलोड किया गया है।		
		साथ ही मेरे द्वारा Power of Attorney Rs. 1000.00 का Stamp paper के स्थान पर 500.00 – 500.00 रुपये का Revenue Stamp Affixed कर निविदा के साथ शपथ–पत्र अपलोड किया गया है (छायाप्रति संलग्न)। अतः भवदीय से अनुरोध है कि उपरोक्त वर्णित तथ्यों पर MBD के कंडिका–22.1 के आधार पर भी पुनः तकनीकी बीड मुल्यांकन कर मुझे सफल घोषित करने की कृपा की जाय।	निविदाकार के द्वारा निविदा के साथ Uploaded POA Bid का पुनः अवलोकन किया गया, अवलोकनोपरान्त पाया गया कि POA ₹ 500 - ₹ 500 का Revenue Stamp Affixed कर Upload किया गया। अतः परिवाद की इस बिन्दु को मान्य किया जाता है।	
		साथ ही भवदीय को अवगत कराना चाहेंगे कि Brajendra Kumar Singh द्वारा वाद CWJC-4459/2026 निविदा के Litigation History, LIT-1 में नहीं दिखाया गया है, जो इनके द्वारा जानबुझ कर Litigation History को छुपाया गया है, जो जाँच का विषय बनता है।	Brajendra Kumar Singh का CWJC No.-4459/2026 G.S.T. से संबंधित है। ये मामले किसी कार्य विभाग के कार्य से संबंधित नहीं है। ऐसे मामले को Litigation History में दर्शाने की बाध्यता नहीं है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		साथ ही भवदीय को अवगत कराना चाहेंगे कि M/s Palak Infra Pvt. Ltd. द्वारा वाद CWJC-14476/2025 एवं CWJC-2404/2026 निविदा के Litigation History, LIT-1 में नहीं दिखाया गया है, जो इनके द्वारा जानबुझ कर Litigation History को छुपाया गया है, जो जाँच का विषय बनता है। उक्त के आलोक में भवदीय से सादर अनुरोध है कि उपरोक्त बिन्दुओं पर कंडिकावार पुर्नविचार करते हुए पुनः तकनीकी बीड मुल्यांकन करने की कृपा की जाय, साथ ही मेरे द्वारा उठाये गये बिन्दुओं पर महति कृपा करते हुए तकनीकी बीड में सफल करने की कृपा की जाय। 1. At the outset, it is respectfully submitted that both the aforesaid grounds are merely technical/procedural in nature and do not relate to the substantive eligibility or qualification of the bidder. The bidder had truthfully disclosed its existing commitments/ongoing works and had also duly executed and submitted the requisite Power of Attorney. There has neither been any concealment nor any attempt to furnish incorrect or misleading information before the Department. 2. So far as the objection relating to Existing Commitment at Serial No. 4 is concerned, it is respectfully submitted that the said existing work/commitment had been duly disclosed by the bidder. The bidder	CWJC No.-14476/2025 एवं CWJC No.-2404/2026 क्रमशः M/s Jai Bhawani Engicon Private Limited एवं BSCPL Infrastructure Ltd. से संबंधित है। M/s Palak Infra Pvt. Ltd. से संबंधित नहीं है। अतः परिवाद के इस बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		had not concealed the work or its financial commitment from the Department. The objection raised by the Committee is confined to the fact that the relevant Existing Commitment document was not countersigned by the concerned Engineer-in-Charge. This is also the precise deficiency recorded in the comparative statement accompanying the Technical Bid Evaluation decision. 3. In this regard, it is respectfully submitted that the bidder possesses the relevant document duly verified/countersigned by the concerned Engineer-in-Charge. The underlying existing commitment was already disclosed in the Technical Bid and the duly verified/countersigned document is available with the bidder. Thus, there is no question of the bidder having concealed any existing commitment or furnished any incorrect particulars regarding the same. 4. The bidder is, therefore, enclosing/submitting along with the present representation the relevant document relating to Existing Commitment Serial No. 4, duly verified/countersigned by the concerned Engineer-in-Charge, for ready reference, verification and consideration by the Department. The document being submitted does not create any new existing commitment or qualification after the last date for submission of the bid. It merely substantiates, authenticates and verifies the existing commitment which had		

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		already been disclosed by the bidder in the Technical Bid. 5. Therefore, the omission, at the highest, is a minor and curable documentary/technic the deficiency. Taking the Engineer-in-Charge verified/countersigned document on record would neither alter the financial bid nor change the eligibility or qualification of the bidder as it stood on the cut-off date. It would merely enable the Department to verify the particulars which had already been disclosed in the bid. No undue advantage would accrue to the bidder and no prejudice whatsoever would be caused to any other participant. 6. It is respectfully submitted that there is a clear distinction between non-disclosure or concealment of an existing commitment and an omission relating merely to the countersignature/verification of the supporting document concerning an existing commitment which has already been disclosed. The present case clearly falls in the latter category. Thus, there was no suppression or misrepresentation of any material fact by the bidder, and the alleged deficiency was capable of immediate verification and rectification. 7. So far as the second objection regarding the Power of Attorney not being uploaded on stamp paper of Rs.1,000/- is concerned, it is respectfully submitted that the requisite Power of Attorney was duly executed by the partners of M/s Veena Singh in favour of Mr.		

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Rakesh Kumar Singh, Partner & Authorized Signatory, specifically authorising him to sign and submit the bid and to undertake all acts in connection with Package No. 42B/OPRMC-III, Patna City. The Power of Attorney was duly executed on 17.06.2026, signed by the concerned partners, accepted by the Power of Attorney holder, witnessed and duly notarized. Thus, the authority of the authorized signatory to represent and bind the bidder was duly created and was in existence prior to submission of the bid. 8. It is respectfully submitted that at the relevant time, stamp paper of a single denomination of Rs.1,000/- was not available. Therefore, in order to comply with the requisite stamp value of Rs.1,000/-, the bidder used/affixed two judicial stamps/stamp papers of Rs. 500/- each, thereby making up the entire requisite stamp value of Rs.1,000/-. Thus, the total requisite stamp value stood duly satisfied and there was neither any shortfall in the requisite stamp value nor any loss of revenue whatsoever to the State. 9. The objection, therefore, relates only to the form/denomination in which the requisite stamp value of Rs.1,000/- was furnished, and not to any deficiency in the aggregate stamp value. The bidder neither avoided nor short-paid the requisite amount. Two judicial stamps/stamp papers of Rs.500/- each together constitute the same aggregate stamp value of Rs.1,000/-. Therefore, the substantive requirement concerning		

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		the requisite stamp value stood duly complied with. 10. It is further submitted that there has been no revenue loss whatsoever to the State Government, since the entire requisite stamp value of Rs.1,000/- stood duly furnished. Merely because the requisite value was made up through two stamps/stamp papers of Rs.500/- each instead of a single stamp paper of Rs.1,000/-the same ought not to invalidate the Power of Attorney or the authority duly conferred thereunder. Such an objection, at the highest, is purely technical and procedural in nature and does not affect the substance, genuineness or purpose of the Power of Attorney. 11. The very purpose of requiring a Power of Attorney is to establish that the person signing and submitting the bid is duly authorized to act for and bind the bidder. That substantive requirement stood fully satisfied in the present case. The Power of Attorney was already in existence on the relevant date and had been duly executed, accepted, witnessed and notarized. Therefore, accepting the clarification regarding the manner in which the requisite stamp value was furnished would neither permit the bidder to acquire any fresh qualification after the cut-off date nor alter the substance of the Technical Bid. 12. It is respectfully submitted that the alleged deficiencies in the present case are therefore minor, procedural and curable in nature. In respect of Existing Commitment		

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Serial No. 4, the work itself was duly disclosed and the Engineer-in-Charge verified/countersigned document is being submitted along with the present representation. Similarly, in respect of the Power of Attorney, the instrument itself was duly executed and the requisite aggregate stamp value of Rs. 1,000/- was furnished, albeit through two stamps/stamp papers of Rs. 500/- each. Neither deficiency goes to the substantive eligibility or qualification of the bidder. 13. The earlier departmental practice also recognises the concept of seeking clarification in respect of technical bid documents, particularly where such clarification or supporting document does not create a fresh eligibility condition but merely verifies, substantiates or clarifies information/documents already forming part of the bid. The present case is therefore a fit case where the bidder may be permitted to rectify/clarify the aforesaid technical deficiencies instead of being excluded from further participation in the tender process. 14. It is also respectfully submitted that, as reflected in Departmental Letter No. 6158 (S.O.), dated 09.07.2014, in the context of execution of the Technical Bid under MBD-based tendering and the instructions relating to Eligibility Criteria under Clause 5.2, Second Stage, there is a departmental precedent/approach of providing an opportunity to the bidder for Clarification & Modification in respect of the relevant points, with		

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		recognition being accorded to such documents/records as were in existence prior to the date of receipt of the tender. In the light of the aforesaid departmental instruction/precedent, the documents being submitted in the present case, duly verified/authenticated by the concerned Engineer-in-Charge in support of the Existing Commitments already disclosed by the bidder, may also kindly be considered, particularly since such documents were already in existence and do not create any new eligibility, experience, financial capacity or Existing Commitment after the last date of submission of the bid. The documents merely substantiate and verify the particulars which had already been disclosed in the Technical Bid. 15. In these circumstances, rejection of the Technical Bid on the aforesaid grounds, despite the underlying Existing Commitment at Serial No. 4 having already been disclosed and the duly Engineer-in-Charge verified/countersigned document being available, and despite the Power of Attorney having been duly executed with the entire requisite aggregate stamp value of Rs.1,000/- is highly technical and disproportionate. Once the aforesaid facts and documents are taken into consideration, the grounds for treating the bidder as technically unsuccessful are rendered misconceived, unsustainable and non est, particularly when the		

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		alleged deficiencies are capable of immediate verification and rectification without altering the substance of the bid, conferring any undue advantage upon the bidder or causing any prejudice to any other participant. 16. It is, therefore, most respectfully requested that the decision dated 13.08.2026 bearing Memo No. 2683, insofar as it declares the Technical Bid of M/s Veena Singh unsuccessful in connection with Package No. 42B/OPRMC-III, Patna City, may kindly be reviewed/reconsidered; the duly verified/countersigned document relating to Existing Commitment Serial No. 4 being submitted along with the present representation may kindly be taken on record for the limited purpose of verification/clarification; the explanation regarding the Power of Attorney and the aggregate stamp value of Rs. 1,000/- may kindly be accepted; and thereafter the Technical Bid of the bidder may kindly be declared technically responsive/successful and the bidder be permitted to participate in the further tender process.		

7. परिवाद की समीक्षा एवं तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा :–

समिति द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक–13.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत् रखने की अनुशंसा की जाती है।

8. परिवाद समिति का निर्णय :–

(i) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) **M/s Veena Singh** के पत्रांक–शून्य, दिनांक–17.08.2026 के द्वारा दिए गए परिवाद/आपत्ति को अमान्य करने का निर्णय लिया जाता है।

(ii) 03 (तीन) निविदाकारों में से 01 (एक) निविदाकार **M/s Veena Singh** को **MBD** के **Section 4** एवं **NIT** की कंडिका 29 के तहत निविदा में वांछित न्यूनतम अहर्ता पूर्ण नहीं करने के कारण तकनीकी बीड मे असफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

(iii) 02 (दो) निविदाकार यथा (1) **M/s Palak Infra Pvt. Ltd** एवं (2) **Brajendra Kumar Singh** को निविदा की वांछित अर्हत्ता पूर्ण करने के कारण तकनीकी बीड में सफल घोषित करने का निर्णय लिया गया। तकनीकी बीड में सफल निविदाकारों का वित्तीय बीड खोलने का निदेश मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को दिया गया।

(iv) उपभागीय ज्ञापांक–2683 दिनांक–13.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक–13.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत रखा जाय।

(v) मुख्य अभियंता, दक्षिण संबंधित परिवादी बीडर को समिति के निर्णय से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

8.1 परिवाद समिति की इस कार्यवाही को विभागीय वेबसाईट पर भी डाली जाय।

Kum 31/8/26	31/8/26	31/8/26	31/8/26
(राज कुमार) मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	(राजेश कुमार गुप्ता) मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	(अभिषेक पलासिया) संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	(उमा कान्त रजक) अभियंता प्रमुख–सह–अपर आयुक्त–सह–विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

ज्ञापांकः प्र0–7/निविदा–03–121/2026 – 6037(E) पटना, दिनांक 31/8/2026

प्रतिलिपिः– मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना/ मुख्य अभियंता(अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित/ आई0टी0 मैनेजर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

31/8/26

(उमा कान्त रजक)
अभियंता प्रमुख–सह–अपर आयुक्त–सह–विशेष सचिव(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना।